कानपुर, सोमवार, 09 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 62, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

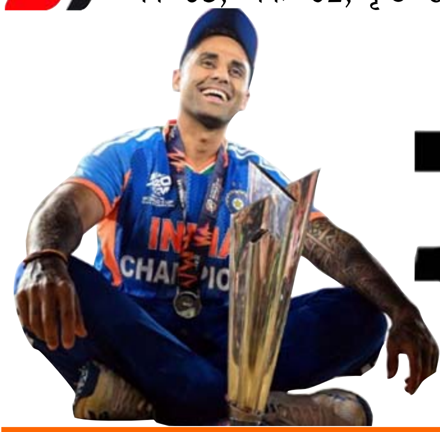

स्वराज इंडिया

इनसाइड भारत फिर बना टी-20 विश्व कप का शहंशाह...>Pg12
दंपति और मासूम को 31 दिन बनाया बंधक...>Pg03
मूल्यः 2 ₹

ईरान में सत्ता परिवर्तन के साथ युद्ध और भड़का

मोजतबा खामेनेई की कमान संभालते ही इजरायल पर मिसाइल हमला

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में जारी युद्ध के बीच ईरान की सत्ता में बड़ा बदलाव हो गया है। ईरान की सर्वोच्च धार्मिक संस्था एसेम्बली आफ एक्सपर्टस ने देश के नए सुप्रीम लीडर के रूप में मोजतबा खामेनेई को नियुक्त कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध अपने सबसे तनावपूर्ण दौर में पहुंच चुका है।

> **अली खामेनेई की मौत के बाद बेटे को सुप्रीम लीडर बनाया गया**

नए सुप्रीम लीडर के ऐलान के कुछ ही समय बाद ईरान ने इजरायल की ओर मिसाइलों की पहली लहर दाग दी। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार मिसाइलें "कब्जे वाले क्षेत्रों" की दिशा में छोड़ी गईं। इस कार्रवाई को नए नेतृत्व के तहत ईरान की पहली सैन्य प्रतिक्रिया माना जा रहा है। मोजतबा खामेनेई, दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के पुत्र हैं, जिनकी 28 फरवरी को तेहरान में हुए संयुक्त अमेरिकी-इजरायली हमले में मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद ईरान में नेतृत्व को लेकर असाधारण संकट पैदा हो गया था। करीब एक सप्ताह तक देश की कमान अस्थायी परिषद के हाथ में रही, जिसके बाद विशेषज्ञों की परिषद ने मतदान कर मोजतबा को तीसरा सुप्रीम लीडर चुना। 56 वर्षीय मोजतबा लंबे समय से ईरान की सत्ता संरचना में प्रभावशाली माने जाते रहे हैं और उनका संबंध देश की शक्तिशाली सैन्य संस्थाआईआरजीसी से भी गहरा माना जाता है।

नए सुप्रीम लीडर को चेतावनी

नेतृत्व परिवर्तन से पहले ही इजरायल ने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर या उनके चयन में शामिल किसी भी व्यक्ति को निशाना बनाया जा सकता है। इजरायली सेना ने कहा कि ईरान के नेतृत्व में बदलाव से उसकी सैन्य रणनीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी मोजतबा की नियुक्ति पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान में नया नेतृत्व क्षेत्र में शांति लाने की दिशा में काम करे, अन्यथा अमेरिका अपनी रणनीति पर आगे बढ़ेगा। कुछ रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने के लिए सैन्य विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नए सुप्रीम लीडर के नेतृत्व में ईरान की रणनीति और अधिक आक्रामक हो सकती है, जिससे युद्ध और व्यापक रूप ले सकता है।

एआई जेनरेटेड फोटो

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युद्ध का असर

- **तेल बाजार में उथल-पुथलः** मध्य-पूर्व तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है
- **वैश्विक शेयर बाजार दबाव मेः** युद्ध की अनिश्चितता से निवेशकों में डर बढ़ा है और कई प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई
- **ऊर्जा आपूर्ति पर खतराः** हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बढ़ने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है
- **परमाणु संकट की आशंकाः** ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पश्चिमी देशों की चिंता और बढ़ गई है।
- **क्षेत्रीय युद्ध का खतराः** लेबनान, सीरिया और यमन जैसे देशों के संघर्ष में खिंचने की आशंका से पूरा मध्य-पूर्व अस्थिर हो सकता है।

एक नजर में...

- मोजतबा खामेनेई ईरान के इतिहास में तीसरे सुप्रीम लीडर बने हैं।
- पहली बार इस पद पर पिता से बेटे को सत्ता हस्तांतरण हुआ है।
- इजरायल ने नए नेतृत्व को भी संभावित लक्ष्य बताया है।
- अमेरिका और उसके सहयोगी देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सतर्क हैं।
- विशेषज्ञों का मानना है कि यह संघर्ष मध्य-पूर्व के सबसे बड़े युद्धों में बदल सकता है।

मोजतबा खामेनेई कौन हैं?

- **पूरा नामः** अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई
- **पिताः** अयातुल्ला अली खामेनेई (ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर)
- **जन्मः** 1969, तेहरान, ईरान
- **पदः** ईरान के तीसरे सुप्रीम लीडर
- **धार्मिक पहचानः** शिया इस्लामी धर्मगुरु (मौलवी)
- **शिक्षाः** तेहरान और क़ोम के धार्मिक मदरसों में इस्लामी न्यायशास्त्र की पढ़ाई
- **राजनीतिक प्रभावः** लंबे समय से ईरान की सत्ता संरचना और सुरक्षा प्रतिष्ठान में प्रभावशाली

यूजीसी बिल को लेकर दिल्ली में महासंग्राम 'हाउस अरेस्ट'

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली/लखनऊ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जारी किए गए 'समानता नियम-2026' को लेकर देशभर में विरोध तेज हो गया है। सवर्ण समाज से जुड़े विभिन्न संगठनों और कई सामाजिक मंचों ने इन नियमों को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। इसी कड़ी में 8 मार्च (रविवार) को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित बड़ी रैली से पहले ही प्रशासन ने कई स्थानों पर एहतियाती कार्रवाई की। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर, हाथरस समेत कुछ अन्य जिलों में आंदोलन से जुड़े कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को घरों में ही नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए यह कदम उठाया गया है।

एआई जेनरेटेड फोटो

आंदोलनकारी संगठनों ने दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने का आह्वान किया था। इसके मद्देनजर पुलिस और प्रशासन ने बुलंदशहर और हाथरस में कुछ प्रमुख पदाधिकारियों को उनके घरों में ही रोक दिया गया, जबकि कुछ स्थानों पर कार्यकर्ताओं को धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि बिना अनुमति बड़े जमावड़े से कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए।

आंदोलनकारियों का आरोप

आंदोलन से जुड़े संगठनों का आरोप है कि सरकार विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उनका कहना है कि यूजीसी के नए नियमों से उच्च शिक्षा संस्थानों में भर्ती और अवसरों की व्यवस्था प्रभावित होगी। आंदोलनकारियों ने इन नियमों को 'काला कानून' बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। कई संगठनों का कहना है कि यदि सरकार ने नियमों में संशोधन नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार सहित कई राज्यों में विभिन्न संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन की घोषणाएं की गई हैं। कुछ स्थानों पर ज्ञापन सौंपे गए हैं, जबकि कई जगह शांतिपूर्ण मार्च और धरने की योजना बनाई गई है। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाएंगे और सरकार से वार्ता की मांग करेंगे।

सीएम योगी की माता पर अभद्र टिप्पणी पर गुस्साए भाजपाई

माँ के प्रति अपमानजनक भाषा भारतीय संस्कृति के खिलाफ, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के संबंध में तथाकथित मौलाना अब्दुल्ला सलीम द्वारा की गई अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज हो गई है। भाजपा नेता प्रवीण शुक्ला ने इस बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में माँ को देवतुल्य माना जाता है और किसी भी व्यक्ति की माता के बारे में इस प्रकार की ओछी और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना उस व्यक्ति की घटिया मानसिकता और संस्कारहीन सोच को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर जाकर किसी की माँ-बहनों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करना समाज की मर्यादा के खिलाफ है। ऐसे बयान न केवल व्यक्तिगत अपमान हैं, बल्कि पूरे समाज की भावनाओं को आहत करने वाले हैं। प्रदेश की जनता अपने नेताओं और उनके परिवार के प्रति इस तरह की अभद्र भाषा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगी।भाजपा नेता ने प्रशासन से मांग की कि समाज में नफरत फैलाने और अशोभनीय टिप्पणी करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने का साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि किसी की माँ का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय विद्यालय आईआईटी में मनाया गया महिला दिवस

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। केंद्रीय विद्यालय आईआईटी कानपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य रवीश चंद्र पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर तथा ज्ञान की अधिष्ठात्री मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ की।

कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अमित सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद प्रखर वक्ता आलोक प्रताप सिंह ने विभिन्न दृष्टांतों के माध्यम से महिला शक्ति की महत्ता पर प्रकाश डाला। अभिषेक जैन ने जयशंकर प्रसाद की कविता का सुमधुर पाठ प्रस्तुत किया, जबकि विकास शुक्ला ने इतिहास में महिलाओं के योगदान पर जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन प्रियंका तिवारी ने किया। इस अवसर पर सीबीएसई की पर्यवेक्षक कोमल चंडोक भी उपस्थित रहीं। प्राचार्य ने विद्यालय की महिला कर्मियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया तथा मुख्य अध्यापिका विनीता तिवारी का हरित स्वागत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रूपम मिश्रा, वंदना सिंह राठौड़ और शालिनी सक्सेना की सराहनीय भूमिका रही।

14 बीघा जमीन के लालच में दंपति और मासूम को 31 दिन बनाया बंधक

फेसबुक मैसेज से खुला राज, पुलिस ने फ्लैट से कराया मुक्त, प्रॉपर्टी डीलर पर आरोप

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/शाहजहांपुर। 14 बीघा जमीन हड़पने के आरोप में प्रॉपर्टी डीलर और उसके साथियों द्वारा एक दंपति और उनकी दो वर्षीय बच्ची को 31 दिन तक बंधक बनाकर प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने किसी तरह वाईफाई के जरिए फेसबुक पर अपनी मां को संदेश भेजकर मदद मांगी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को मुक्त कराया। हालांकि आरोपी पक्ष ने बंधक बनाने के आरोपों से इनकार किया है। पुलिस मामले को जमीन के विवाद से जुड़ा बताते हुए जांच कर रही है।

उन्नाव के बांगरमऊ क्षेत्र के जगतनगर नौबतगंज निवासी दिव्या गुप्ता ने बताया कि उनके पति ओम गुप्ता शाहजहांपुर के रामचंद्र मिशन दलेलगंज के रहने वाले हैं। दंपति की दो वर्षीय बेटी अवनी भी उनके साथ थी। दिव्या के अनुसार उनके मायके पक्ष में करीब 14 बीघा जमीन है, जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है। माता-पिता के निधन के बाद जमीन बेचने की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

पीड़िता का आरोप है कि करीब डेढ़ वर्ष पहले एक परिचित कारोबारी और उसके कुछ साथियों ने अच्छी कीमत दिलाने का भरोसा देकर उन्हें कानपुर के कल्याणपुर स्थित एक प्रॉपर्टी डीलर से मिलवाया। डीलर ने एक लाख रुपये देकर जमीन का एग्रीमेंट कराया और शेष रकम जल्द देने का भरोसा दिया। इसके लिए एचडीएफसी बैंक में उनका खाता भी खुलवाया गया और जरूरी कागजात अपने पास रख लिए गए।

दिव्या के मुताबिक 5 फरवरी को प्रॉपर्टी डीलर उन्हें विजयनगर बुलाकर जमीन की लिखापढ़ी कराने की बात कहकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि वह पांच कारों के काफिले के साथ उन्हें लेने आया और कानपुर के एक होटल में ले जाकर पति, पत्नी और उनकी बच्ची को बंधक बना लिया। शुरुआत में दो दिन होटल में रखा गया, बाद में अलग-अलग होटलों में रखकर प्रताड़ित किया गया। आरोपियों द्वारा शराब पीकर डराने-धमकाने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है।

पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने दबाव बनाकर 14 बीघा जमीन में से 7 विस्वा जमीन का बैनामा दो लोगों के नाम करवा लिया और रकम उनके खाते में ट्रांसफर कराई। इसके बाद उन्हें धमकाकर बांगरमऊ थाने में उन्हीं लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत भी करवाई गई।

बाद में दंपति और उनकी बच्ची को कल्याणपुर के एक अपार्टमेंट में बंद कर मोबाइल भी छीन लिया गया। शनिवार को जब महिला ने फ्लैट में टीवी न होने की शिकायत की तो आरोपी मोबाइल हॉटस्पॉट के जरिए टीवी चलाने लगे और कुछ देर के लिए मोबाइल वापस दे दिया। इसी दौरान महिला ने फेसबुक के माध्यम से अपनी सास को संदेश भेजकर बताया कि उन्हें बंधक बनाकर रखा गया है। सूचना मिलते ही परिवार के परिचित ऋषि मौके पर पहुंचे तो फ्लैट बाहर से बंद मिला। इसके बाद पुलिस की मदद से दंपति और बच्ची को मुक्त कराया गया।

एसीपी बोले, मामला संदिग्ध, जांच जारी

कल्याणपुर एसीपी आशुतोष कुमार ने बताया कि ओम गुप्ता अपनी मां से सप्ताह में एक बार फोन पर बात करते थे, जिससे मामला कुछ संदिग्ध भी प्रतीत हो रहा है। प्रथम दृष्टया यह जमीन के लेन-देन और एग्रीमेंट से जुड़ा विवाद लग रहा है। फिलहाल तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शराब ठेके के सेल्समैन हत्याकांड के आरोपी को 'हाफ एनकाउंटर' में दबोचा

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहा था आरोपी, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। बिधनू क्षेत्र में देशी शराब ठेके के सेल्समैन की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। चेकिंग के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी और वह घायल हो गया। बाद में पुलिस ने उसे दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार सोमवार को बिधनू-सचेंडी मार्ग पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो आरोपी ने तमंचे से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लग गई, जिससे वह गिरकर घायल हो गया और मौके पर ही पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान छोटू उर्फ निसार निवासी फतेहपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ लूट व चोरी के छह मुकदमे पहले से दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि बिधनू थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में कुछ दिन पहले देशी शराब ठेके के सेल्समैन की हत्या कर दी गई थी। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि भवानीपुर में देशी शराब ठेके के सेल्समैन की मौत के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। सोमवार को चेकिंग के दौरान पुलिस पर फायरिंग करने वाले एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पूछताछ के दौरान उसके अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी मिली है। पुलिस टीम फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

कानपुर के प्लास्टिक उद्योग पर पड़ा मिडिल ईस्ट युद्ध का असर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मध्य-पूर्व में ईरान, संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़े तनाव का असर अब स्थानीय उद्योगों तक पहुंचने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से प्लास्टिक उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतों में तेज उछाल आया है। इसका सीधा असर कानपुर के लघु और मध्यम उद्योगों पर पड़ रहा है।उद्योग जगत के अनुसार पिछले कुछ हफ्तों में प्लास्टिक ग्रेन्यूल और अन्य कच्चे माल के दाम करीब 38 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं। शहर में लगभग चार हजार एमएसएमई इकाइयां प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण से जुड़ी हैं और इन पर इस महंगाई का सबसे ज्यादा असर पड़ा है। अधिकांश उद्यमियों ने पहले ही पुराने दामों पर ऑर्डर ले रखे थे, लेकिन अब कच्चा माल महंगा होने के कारण उन्हें वही ऑर्डर घाटे में पूरा करना पड़ रहा है।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष आरके अग्रवाल के मुताबिक कच्चे माल के साथ-साथ परिवहन लागत भी तेजी से बढ़ी है। डीजल और शिपिंग खर्च बढ़ने के कारण माल ढुलाई का किराया 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जिससे तैयार उत्पाद की लागत और अधिक बढ़ गई है। प्लास्टिक उद्योग में पैकेजिंग सामग्री, पाइप, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और औद्योगिक पार्ट्स बनाए जाते हैं।

इन सभी के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल जैसे पीपी, पीई और पीवीसी ग्रेन्यूल की कीमतों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। उद्योगपतियों का कहना है कि दो से तीन महीने पहले लिए गए ऑर्डरों को अब पूरा करना मुश्किल हो रहा है। कीमत बढ़ने के बावजूद ऑर्डर रद्द करना व्यापारिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए कई इकाइयां मजबूरी में घाटे के बावजूद उत्पादन जारी रखे हुए हैं।इस बीच वैश्विक स्तर पर मांग में भी कमी आई है। यूरोप समेत कई देशों में ऑर्डर घटने से निर्यात प्रभावित हुआ है, जिससे एमएसएमई इकाइयों के लिए घरेलू बाजार ही प्रमुख सहारा बन गया है। हरेन्द्र मुरजानी के अनुसार वैश्विक स्तर पर बिगड़े हालात के कारण आर्थिक दबाव बढ़ा है, जिसका असर लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।वहीं आलोक कुमार श्रीवास्तव, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन का कहना है कि एमएसएमई सेक्टर को राहत देने के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही परिवहन लागत को नियंत्रित करने के उपाय किए जाएं तो उद्योगों को काफी राहत मिल सकती है।

क्रूड ऑयल महंगा होने से बढ़ी लागत, पहले से लिए ऑर्डर अब घाटे में पूरे करने को मजबूर एमएसएमई

यूपीसीडा 1400 करोड़ से पीलीभीत में बना रहा एबी मौरी फैक्ट्री, सीएम करेंगे उद्घाटन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से पीलीभीत औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित हो रही 1400 करोड़ की एबी मौरी फैक्ट्री को उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

इस संबंध में यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने रविवार को फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं ग्रेनो वेस्ट में सीएम योगी- कहा- पहले एक जनपद एक माफिया था, अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज पर हो रहा कार्यसाथ ही सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जाएं। औद्योगिक क्षेत्र भरापछपेड़ा में निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने औद्योगिक क्षेत्र में प्राधिकरण की ओर से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की समीक्षा की गई। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सड़कों, नाली, जल निकासी व्यवस्था, अन्य आधारभूत संरचनाओं एवं चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप किए जाएं तथा कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

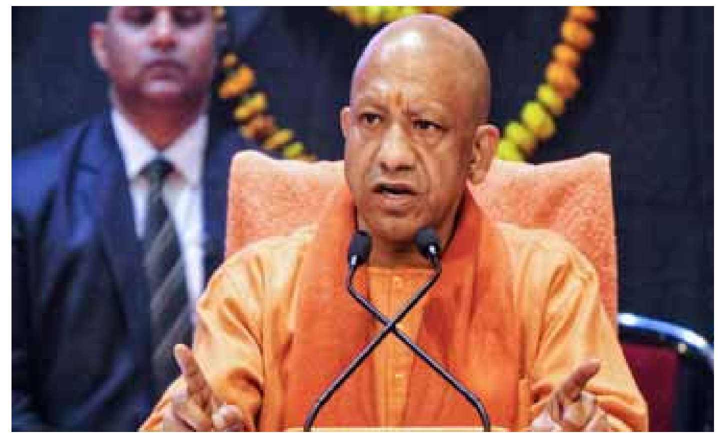

कानपुर में 13 मार्च को होगा CII लीडरशिप कॉन्क्लेव, सिस्टर शिवानी होंगी मुख्य वक्ता

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) कानपुर ज़ोन की ओर से शहर में CII लीडरशिप कॉन्क्लेव के दूसरे संस्करण का आयोजन 13 मार्च 2026 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम कानपुर में CII के प्रमुख आयोजनों में से एक माना जाता है, जिसमें उद्योग, नवाचार और नेतृत्व से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

कॉन्क्लेव का उद्देश्य कानपुर की औद्योगिक उपलब्धियों, विभिन्न विकासात्मक पहलों और नए भारत के निर्माण में शहर की भूमिका को रेखांकित करना है। कार्यक्रम में छ्ढ्ढ के सदस्य, उद्योग जगत के अग्रणी नेता, विचारक, नवप्रवर्तक तथा उभरते उद्यमी एक मंच पर एकत्र होकर देश के आर्थिक विकास और प्रगति के रोडमैप पर विचार-विमर्श करेंगे।

इस बार के कॉन्क्लेव की विशेष आकर्षण ब्रह्मा कुमारी सिस्टर शिवानी होंगी, जो कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगी। सिस्टर शिवानी अपने संबोधन में आंतरिक नेतृत्व को सशक्त बनाने, जीवन में आने वाली चुनौतियों का सकारात्मक दृष्टिकोण से सामना करने तथा आत्मबल, स्पष्टता और सकारात्मक सोच के माध्यम से संतुलित जीवन जीने के महत्व पर अपने विचार साझा करेंगी।

छ्ढ्ढ के पदाधिकारियों के अनुसार यह कॉन्क्लेव उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और युवाओं के लिए प्रेरणादायक मंच साबित होगा, जहां नेतृत्व क्षमता, नवाचार और विकास की नई संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक लोग छ्ढ्ढ कार्यालय के मोबाइल नंबर 9839228200 पर संपर्क कर सकते हैं।

सपा नेता शिवकुमार बेरिया ने कई गांवों में लोगों से किया संवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी के रसूलाबाद विधानसभा प्रभारी और पूर्व विधायक शिवकुमार बेरिया ने सोमवार को क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर लोगों से संवाद किया। इस दौरान रसूलाबाद कस्बे में सपा के पूर्व विधानसभा महासचिव आलोक बाजपेयी के प्रतिष्ठान पर प्रेस वार्ता में उन्होंने केंद्र सरकार की विदेश नीति और प्रदेश की स्थिति को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

बेरिया ने कहा कि इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले से वैश्विक स्तर पर संकट की स्थिति पैदा हो सकती है। उनका कहना था कि यदि संघर्ष बढ़ता है तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की विदेश नीति कमजोर साबित हुई है। सपा नेता ने दावा किया कि आगामी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन होगा। चंद्रशेखर अवस्थी, ग्राम प्रधान भूरा बेरिया, सेक्टर प्रभारी ललित कमल, संतोष तिवारी, अमन सैनी, मुमताज अहमद, अनुज यादव, राजेश तिवारी, आशीष यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

साइबर थाने की महिला एसआई को सम्मानित करेगा आईफोरसी

» प्रदेश से चार पुलिसकर्मियों को मिलेगी उपलब्धि

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। साइबर थाने की महिला एसआई देश भर की 33 महिला पुलिस कर्मियों में शामिल हैं। प्रदेश से चार पुलिसकर्मियों को उपलब्धि मिलेगी। कमिश्नरी पुलिस के साइबर थाने की सब इंस्पेक्टर रिया तिवारी के नाम से उपलब्धि जुड़ने जा रही है। उन्हें महिला संबंधी साइबर अपराध के बड़े मामलों के खुलासे और जागरूकता फैलाने के लिए गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उनका नाम सेंटर फॉर पुलिस टेक्नोलॉजी की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नामित हुआ है।

सम्मान के लिए देश भर से कुल 33 महिला पुलिसकर्मी चुनी गई हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस की चार महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। रिया तिवारी मूलरूप से ललितपुर की रहने वाली हैं। पिता सेना में थे, जिनको देखकर उन्हें भी सेना या पुलिस में जाने की इच्छा हुई। महिला एसआई 2023 बैच की हैं। कानपुर कमिश्नरी पुलिस में मौजूदा समय में साइबर क्राइम थाने में तैनात हैं।

उन्होंने एचबीटीयू, सीएसजेएमयू, सीएसए, मेडिकल कॉलेज समेत कई स्कूल व कॉलेजों के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध से जागरूक किया है। कई सेमिनार में भी शामिल हो चुकी हैं। रिया तिवारी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से मैथ्स से ऑनर्स किया है।

उनकी इच्छा शुरू से एआई और साइबर क्राइम के क्षेत्र में कार्य करने की रही है। महिला एसआई के अलावा आगरा, लखनऊ और अन्य जिले की पुलिसकर्मी को पुरस्कार मिलेगा।

महिला संबंधी अपराध में किया गुडवर्क

महिला दरोगा ने साइबर अपराध के महिला संबंधी कई मामलों में गुडवर्क किया है। उन्होंने कल्याणपुर की छात्रा को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में ढकेलने के मामले का खुलासा करने में सहयोग किया।

बर्रा की युवती की आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बनाने वाले को जेल भिजवाया। ठगी और धोखाधड़ी की घटनाओं में डेटा संकलित किया है।

साइबर क्राइम ब्रांच थाने की एसआई रिया तिवारी को इंडियन साइबर क्राइम को आर्डिनेशन सेंटर की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उनका नाम उत्तर प्रदेश पुलिस की चार महिला पुलिसकर्मियों में हुआ है।

सम्पादकीय

नारी शक्ति का नया युग

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं।मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है।वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं।

बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं।

दिल्ली के दिल में छाई अजीब खामोशी पर उठते प्रश्न

सुरेन्द्र शर्मा

विदेश नीति में आत्मनिर्भरता देश के वजूद का आधार बनी हुई है। ऐसे में ईरान और अमेरिकी-इस्राइल युद्ध की कुछ घटनाओं पर खामोशी सवालों के घेरे में है। नीति नियंताओं द्वारा आत्मनिर्भरता की नीति के बखान के बावजूद ईरान में लड़कियों के स्कूलों पर बमबारी करने वाली ताकतों संग बिना विचारे तालमेल से गुरेज करना चाहिये।अमेरिकियों ने बीच समुद्र फंसे रूसी तेल को खरीदने के वास्ते लिए भारत को 30 दिन की छूट दे दी है। यह वो संदेश है जो बीते शुक्रवार सुबह-सुबह ट्रंप प्रशासन की ओर से आया।अभी यह स्पष्ट नहीं कि मोदी सरकार को ट्रंप प्रशासन के इन निर्देशों से चिढ़ हुई अथवा नहीं, क्योंकि उसे बताया जा रहा है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसमें यह भी शामिल है कि किससे तेल खरीदना है, कितना खरीदना है, और कब शुरू या बंद करना है।

याद करें कि पिछले महीने ही, जब ट्रंप ने व्यापार समझौते के हिस्से के तौर पर घोषणा की थी कि भारत-अमेरिकी द्विपक्षीय व्यापार पर लगाया गया 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क हटा रहे हैं, तब उन्होंने साफ कर दिया था कि यदि भारत फिर रूसी तेल खरीदने लगेगा, तो यह शुल्क दुबारा लागू हो जाएगा। और इसलिए, करीब हफ़्ता पहले ईरान संकट शुरू होने के बाद से मोदी सरकार की विदेश नीति को लेकर जो बहसें चल रही हैं, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों ने दखल दिया, उसमें आत्मनिर्भरता के इस नवीनतम प्रारूप को बतौर राष्ट्र नीति का साधन बरतने पर प्रश्न उठ रहे हैं।विदेश मंत्रालय अपनी जिस 'व्यावहारिक नीति' की बहुत बड़ाई करता रहता है, शायद उसके तहत मानता है कि उसको दुनिया के सबसे ताकतवर आदमी, डोनाल्ड ट्रंप को नाराज़ नहीं करना चाहिए, और इसलिए ईरान पर बमबारी के मामले में उसके साथ चलना बेहतर है। इस नजरिये से तो भारतीयों को ब्रिटिश राज के खिलाफ़ स्वतंत्रता आंदोलन कभी नहीं करना चाहिए था, क्योंकि, याद रहे कि उनके राज में, ट्रेनें हमेशा समय पर चलती थीं, सबके लिए शिक्षा शुरू की गई थी और सती जैसी सामाजिक बुराइयों पर रोक लगा दी गई थी।कुछ अन्य लोग कहेंगे कि आत्मनिर्भरता का मतलब वास्तव में कुछ और है। यह जागरूक बने रहने, दुनिया की जटिलताओं को समझने, ज़रूरत पड़ने पर अलग-अलग पक्ष चुनने का निरंतर संघर्ष है- हकीकत में, सभी पक्षों के साथ तालमेल रखना पड़ता है, क्योंकि तभी तो आप अपने देश के हितों की रक्षा कर सकेंगे। (जवाहरलाल नेहरू ने इसे 'गुटनिरपेक्षता' कहा था, चलिए इस पर बहस किसी और दिन)। इसीलिए समझ नहीं आ रहा कि भारत इतना खुलकर ट्रंप और बीबी नेतन्याहू, दोनों के साथ, क्यों खड़ा है। इस्राइलियों ने आधे यूरोप को नाराज़ कर रखा है और ट्रंप हर दूसरे दिन पाकिस्तान को लुभाने की कोशिश करते हैं। इस बीच, ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन महीने में कम से कम एक बार परस्पर बात करते हैं- तब भी, जब अमेरिका भारत को रूसी तेल न खरीदने को धमका रहा था। ट्रंप चीन दौरे की जल्द ही, कम से कम ईरान संकट से पहले, योजना बना रहे थे-लेकिन बताया जा रहा है ईरान का साथी और सहयोगी चीन, अब ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर रहा है।इसीलिए आत्मनिर्भरता का मतलब है समझदारी से चुनना, कुछ करना या न करते हुए देशहित में काम करना। इसका अभिप्राय था इस्राइल का अपना दौरा टालना, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि पूरी दुनिया, जिसमें आप भी शामिल हैं, जानती थी कि युद्ध होने वाला है; इसलिए नहीं कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने रिश्ते हैं, बल्कि इसलिए कि भारत के कुल तेल आयात का 44 प्रतिशत हिस्सा ईरानी नियंत्रण वाले जलक्षेत्र होर्मुज़ जलसंधि से होकर आता है। इसका अर्थ था कि अबू धाबी के शासक मोहम्मद बिन ज़ायद को फोन करने से बचना, जिनकी इन दिनों अपने कभी के सबसे अच्छे दोस्त रहे सऊदी अरब के मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत बंद हैं- सिर्फ इसलिए नहीं कि आप दोनों से तेल खरीदते हैं या पाकिस्तान सऊदी अरब का रणनीतिक साझेदार है, बल्कि इसलिए कि दोनों देशों में बड़ी संख्या में भारतीय आप्रवासी रहते हैं,।

मोदी ने क्या कुछ चौंकाने वाला रोल सोच रखा है

बिहार की राजनीति

पुष्परंजन

नीतीश ने 20 साल तक बिना बहुमत मुख्यमंत्री रहते हुए अपनी चाणक्य नीति दिखाई। उनके दिल्ली जाने के फैसले और विधान परिषद छोड़ने के बाद बेटे निशांत के संभावित डिप्टी सीएम बनने के कयास हैं। हालांकि आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। नीतीश हमेशा पार्टी और कार्यकर्ताओं का संतुलन रखते हैं। अब निशांत की भूमिका और सरकार में उनका पद क्या रहता है, यह देखना दिलचस्प होगा। निशांत कुमार बहुत जल्द जेडीयू में औपचारिक रूप से शामिल हो सकते हैं और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते नजर आएंगे. अगले एक हफ्ते के अंदर निशांत जेडीयू में शामिल हो जाएंगे। जदयू की कमान निशांत को मिले, जदयू के बड़े हिस्से की यह पुरानी मांग है।

1977 की एक दोपहर थी। पटना का मशहूर इंडिया कॉफी हाउस हमेशा की तरह बहसों और चर्चाओं से गुलज़ार था। अलग-अलग टेबलों पर बैठे लोग राजनीति, समाज और देश के भविष्य पर तर्क-वितर्क कर रहे थे। उसी भीड़ में एक कोने की मेज पर दो नौजवान दोस्त भी बैठे थे। उनमें से एक अभी-अभी विधायक का चुनाव हार कर आया था। बहस तेज हो चुकी थी। तभी वह नौजवान अचानक गुस्से में मेज पर मुक्का मारता है और लगभग ऐलान करते हुए कहता है-देख लेना, एक दिन मैं बिहार का मुख्यमंत्री बनूंगा। सत्ता हासिल करूंगा, चाहे कुछ भी करना पड़े। लेकिन जब सत्ता मिलेगी तो काम भी अच्छा करूंगा। उस वक्त शायद किसी ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन ठीक 24 साल बाद, 3 मार्च 2000 को वही नौजवान बिहार के राज्यपाल के सामने शपथ लेते हुए कह रहा था-मैं नीतीश कुमार, श्रद्धापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से बिहार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा। यह कहानी उस नेता की है जो

पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति के केंद्र में बना हुआ है। एक ऐसा नेता जिसके राजनीतिक पतन का मर्सिया कई बार पढ़ा गया, लेकिन हर बार वह फिर खड़ा हो गया। जो राजनीति की करवट बदलकर बड़े-बड़े नेताओं को चौंका देता है। यह उसी नेता की कहानी है जिसने अपने पहले दो विधानसभा चुनाव हारे, यहां तक कि एक समय राजनीति से संन्यास लेने का मन बना लिया। लेकिन फिर अचानक हालात बदले। उसने नई राजनीतिक राह चुनी, नई पार्टी बनाई और देखते ही देखते बिहार की सत्ता तक पहुंच गया। यह उस नेता की भी कहानी है जिसके पिता कांग्रेसी थे, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट देने से इंकार कर दिया। पिता के उस अपमान ने बेटे को समाजवाद की राह पर डाल दिया, लोहिया का समाजवाद, जेपी का समाजवाद। वक्त बीतता गया और राजनीति करवट लेती रही। यही नेता एक समय गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के दावेदार नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करने से इंकार कर देता है। लेकिन गठबंधन बदलते रहे, समीकरण बदलते रहे। नीतीश कुमार बिहार की सियासत के वो नेता हैं जिनके पास सियासी बंदूक तो खुद की होती है लेकिन विरोधी पर निशाना साधने के लिए चुनावी समर में कारतूस सहयोगी से लेते हैं। मतलब मौके की नजाकत को भांप कारतूस बदलने का विकल्प सदैव वो अपने हाथों में रखते हैं। मुख्यमंत्री की कुर्सी, हर बार किसी न किसी तरह फिर नीतीश कुमार के पास ही लौट आती रही। जिससे 2007 में आई फिल्म पार्टनर जिसका एक दृश्य याद आ जाता है जब सलमान की बहन भास्कर यानी गोविंदा को कपड़ों की सेट दे रही होती है तो प्रेम यानी सलमान कहते हैं, ये मेरे कपड़े हैं इस भास्कर को कैसे फिट आएंगे। भास्कर यानी गोविंदा चेहरे पर मुस्कान लिए जवाब देते हैं डोंट वर्री फिट हो जाएंगे, अपना तो साइज ही इतना अजीब है कि किसी भी साइज के अंदर फिट हो जाता हूं। बिहार के मुख्यमंत्री को लेकर भी इन दिनों ऐसा ही कुछ ऐसा ही कहा जा सकता है। जब से उनके राज्यसभा जाने का ऐलान हुआ तमाम तरह की अटकलों ने जन्म लेना शुरू कर दिया है। । कुल मिलाकर पूरा लब्बोलुआब है कि हमेशा चर्चाओं में बने रहना। बिहार के मुख्यमंत्री, पीएम मैटेरियल वाले मुख्यमंत्री, सुशासन बाबू के उपनाम वाले मुख्यमंत्री, बिहार में बहार हो का नारा देने वाली पार्टी के मुख्यमंत्री इससे एक कदम आगे अब क्या उप प्रधानमंत्री मैटेरियल वाले मुख्यमंत्री बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

साली की विदाई में जीजा पर लोहे की राड से हमला, गंभीर

दरवाजे के सामने नाली की निकासी को लेकर कहासुनी के बाद मारपीट

स्वराज इंडिया ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। साली की शादी की खुशियां बारात विदा होने के कुछ ही देर बाद दुख में बदल गईं। घर के सामने नाली की निकासी को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे दो जीजा पर पड़ोसी ने लोहे की राड़ से हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें कानपुर रेफर कर दिया गया।

घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाते परिजन

घटना चौबेपुर थाना क्षेत्र के गौरी लक्खा गांव की है। गांव निवासी राजाराम त्रिवेदी की चार बेटियां हैं। इनमें दो बेटियों की पहले ही शादी हो चुकी है, जबकि तीसरी बेटी अनामिका उर्फ मानसी की शनिवार को धूमधाम से शादी हुई थी। रविवार सुबह बारात की विदाई के बाद परिवार के लोग शादी की रस्मों में व्यस्त थे। इसी बीच घर के सामने नाली के पानी की निकासी को लेकर राजाराम और उनके चचेरे भाई ज्ञान प्रकाश उर्फ पुत्तन के बीच कहासुनी हो गई। बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच पहले भी इस बात को लेकर तनातनी रहती थी। रविवार को बात बढ़ने पर दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शोर-शराबा सुनकर राजाराम के दामाद आशीष दुबे निवासी मकसूदाबाद थाना बिठूर और अनिल दुबे निवासी बिल्हौर, जो साली की शादी में शामिल होने आए थे, अपने ससुर को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान ज्ञान प्रकाश ने हाथ में ली लोहे की राड़ से दोनों पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों को संभाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चौबेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौबेपुर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत चिंताजनक बताते हुए उर्सला अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया। घायल आशीष की पत्नी आरती ने चौबेपुर थाने में ज्ञान प्रकाश उर्फ पुत्तन के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी हैइंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। घायलों का इलाज कानपुर में कराया जा रहा है और मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो रुपये के विवाद में दुकानदार की उंगली दांत से काटी

घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाते परिजन

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। कस्बे में सिगरेट के महज दो रुपये को लेकर ऐसा विवाद हुआ कि नशे में धुत एक युवक ने दुकानदार की उंगली ही दांत से काट ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और बाजार में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे आसपास के दुकानदारों ने भाग रहे आरोपी युवक को पकड़कर पहले उसकी पिटाई कर दी, इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

नगर पालिका स्थित प्राइमरी स्कूल (प्रथम) के गेट के पास मुकेश की बेकरी, पान मसाला और सिगरेट की दुकान है। मुकेश के मुताबिक रविवार सुबह जब वह दुकान लगा रहे थे एक युवक नशे की हालत में दुकान पर पहुंचा और सिगरेट लेकर पीने लगा। सिगरेट की कीमत सात रुपये बताने पर उसने पांच रुपये दिए। दुकानदार द्वारा दो रुपये और मांगने पर युवक गालीगलौज करने लगा। और फिर दिए पांच रूपये भी ले लिए। इससे बाद

➪ लोगों ने आरोपी को पकड़कर पीटा फिर पुलिस को सौंपा

विवाद बढ़ने लगा देखते ही देखते युवक काउंटर के अंदर घुस आया और धक्का-मुक्की करने लगा। इसी दौरान उसने दुकानदार के बाएं हाथ की उंगली दांत से काट ली। दुकानदार की चीख सुनकर आसपास के दुकानदार और लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। एसीपी मंजय सिंह ने बताया कि पीड़ित दुकानदार मुकेश की तहरीर पर आरोपी अंशू कुशवाहा निवासी लाल बहादुर नगर, तिलियाना गली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। उधर, आसपास के लोगों का कहना है कि आरोपी युवक गांजा, स्मैक, चरस समेत अन्य सूखे नशों का आदी है। साथ ही उसका मानसिक संतुलन भी कुछ ठीक नहीं है।

पिस्टल लेकर झगड़ा करने पहुंचे युवक को ग्रामीणों ने दबोचा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र के महादेवा गांव में शनिवार रात पुरानी रंजिश के चलते विवाद करने पहुंचे युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से पिस्टल और कारतूस मिलने पर ग्रामीणों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया युवक बछना गांव निवासी अभिषेक यादव पुत्र स्व. कृष्ण मुरारी है। बताया गया कि 14 फरवरी को कल्याणपुर क्षेत्र में उसका राहुल यादव और लकी यादव से विवाद हुआ था। उसी रंजिश में वह साथियों के साथ महादेवा गांव पहुंचा था। सूचना पर पहुंची ककवन पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर तलाशी ली, जिसमें एक पिस्टल और एक कारतूस बरामद हुआ। वहीं उसके साथ आए अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चौकी इंचार्ज पर मारपीट और रंगदारी मांगने का आरोप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर) ककवन थाना क्षेत्र की नदीहा चौकी इंचार्ज पर दो ग्रामीणों ने मारपीट, रंगदारी मांगने और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। दोनों ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर मामले की शिकायत की है। अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

नदीहा खुर्द निवासी नरेंद्र का आरोप है कि 17 फरवरी को चौकी इंचार्ज ने एक सिपाही के साथ उन्हें चौकी बुलाया था। वहां एक मामले में समझौता कराने का दबाव बनाते हुए उनसे 20 हजार रुपये की मांग की गई। नरेंद्र का आरोप है कि रुपये देने से मना करने पर चौकी इंचार्ज ने जातिसूचक गालियां देते

➪ ग्रामीणों ने पुलिस आयुक्त से की शिकायत, जाँच शुरू

हुए डंडे से उनकी पिटाई कर दी। नरेंद्र ने अपने प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि शिकायत करने के बाद उन्हें दोबारा चौकी बुलाया गया, जहां हाथ-पैर बांधकर दबाव में उनके पक्ष में वीडियो बनवाया गया और शिकायत वापस लेने को कहा गया। वहीं नदिहा खुर्द निवासी पंकज मिश्रा ने भी पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर चौकी इंचार्ज पर अभद्रता और धमकी देने का आरोप लगाया है। पंकज के अनुसार, छह फरवरी की शाम करीब छह बजे उन्हें चौकी बुलाकर गाली-गलौज की गई और नरेंद्र के साथ जबरन समझौता कराने का दबाव बनाया गया। मना करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि धमकियों के कारण उनका परिवार भयभीत है और वे खेतों पर काम करने भी नहीं जा पा रहे हैं।वहीं पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों शिकायतों की जांच के लिए टीम गठित की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने ग्रामीणों को दिया स्वरोजगार का प्रशिक्षण

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (शिवराजपुर)। शिवराजपुर क्षेत्र स्थित ग्राम डुड़वा जमौली में सोमवार को खाद्य प्रसंस्करण विभाग की ओर से ग्रामीणों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी मैनुफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने के लिए प्रेरित करना और उन्हें सरकारी योजनाओं व बैंक ऋण की सुविधाओं की जानकारी देना था।

कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों कमलेश बाबू मिश्रा, उपासना दीक्षित और जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बन सकता है। किसानों व स्थानीय लोगों को फल, सब्जी, अनाज और मसालों जैसे कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण कर छोटी यूनिट स्थापित करने

➪ डुड़वा जमौली में दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में दी गई कईजानकारी

के लिए प्रेरित किया गया, जिससे उनकी आय बढ़ने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। अधिकारियों ने यूनिट स्थापित करने की प्रक्रिया, आवश्यक लाइसेंस व पंजीकरण, एफएसएसएआई लाइसेंस, उत्पादन मानक, पैकेजिंग और मार्केटिंग की जानकारी दी।

वहीं बैंक प्रतिनिधियों ने बताया कि सरकारी योजनाओं के तहत खाद्य प्रसंस्करण यूनिट लगाने के लिए ऋण की सुविधा उपलब्ध है तथा 35 से 50 प्रतिशत तक सब्सिडी भी मिल सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

लखनऊ में बनेगा नया अत्याधुनिक विधान भवन

15 अप्रैल 2026 तक एलडीए को सौंपना होगा विस्तृत डिजाइन, मुख्यमंत्री के सामने रखी जाएगी अंतिम योजना

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य के संसदीय इतिहास में नया अध्याय जोड़ने की तैयारी कर रही है। राजधानी लखनऊ में एक भव्य और आधुनिक विधान भवन परिसर बनाने की योजना को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को विस्तृत डिजाइन तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। शासन के आदेश के बाद एलडीए ने इस परियोजना पर काम शुरू कर दिया है और डिजाइन तैयार करने के लिए 15 अप्रैल 2026 की समय-सीमा तय की गई है।

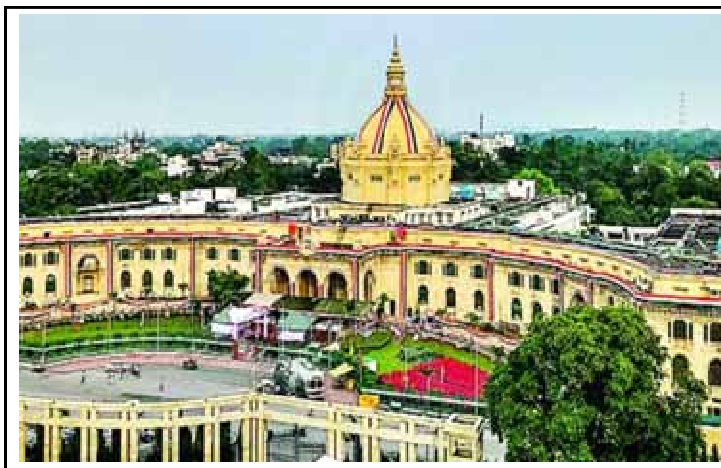

एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के अनुसार आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने फरवरी 2026 में इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके तहत प्राधिकरण को मौजूदा विधायी परिसर के विस्तार, नवीनीकरण और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक आधुनिक और अत्याधुनिक डिजाइन तैयार करने को कहा गया है। यह डिजाइन अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट और निर्माण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी।वर्ष 2023 में नई दिल्ली में नए भारतीय संसद भवन के उद्घाटन के बाद से उत्तर प्रदेश में भी आधुनिक विधान भवन बनाने की मांग तेज हुई थी।

बताया जा रहा है कि इस परियोजना के डिजाइन के लिए अहमदाबाद की उसी कंपनी की सेवाएं ली जा रही हैं, जिसने नए संसद भवन के डिजाइन पर काम किया था। प्रस्तावित नया विधान भवन पूरी तरह पेपरलेस और डिजिटल संसदीय कार्यप्रणाली से लैस होगा और आधुनिक वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण बनेगा।

गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में इस परियोजना के लिए 50 करोड़ रुपये का शुरुआती प्रावधान किया गया था। हालांकि, उपयुक्त जमीन के चयन में देरी के कारण परियोजना की रफ्तार धीमी रही। शहर के बाहरी इलाकों में प्रस्तावित कई स्थानों को प्रशासनिक केंद्र से दूरी के कारण खारिज कर दिया गया। अक्टूबर 2025 में सहारा शहर की करीब 130 एकड़ भूमि चर्चा में आई, जिसे नगर निगम ने सील किया था। माना जा रहा है कि नया परिसर इसी क्षेत्र के आसपास या किसी अन्य केंद्रीय स्थान पर विकसित किया जा सकता है।मौजूदा उत्तर प्रदेश विधान भवन का निर्माण 1922 में शुरू हुआ था और 1928 में इसका उद्घाटन हुआ था। इंडो-यूरोपीय वास्तुकला का यह ऐतिहासिक भवन अब लगभग एक सदी पुराना हो चुका है। विधायकों की बढ़ती संख्या और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं की जरूरत को देखते हुए नया परिसर समय की मांग बन गया है। सरकार का मानना है कि प्रस्तावित नया विधान भवन आने वाले कई दशकों तक राज्य की विधायी जरूरतों को पूरा करेगा।

घर में घुसकर महिला समेत चार लोगों से मारपीट, मुकदमा दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

(कानपुर देहात)। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के भवनपुर गांव में घर में घुसकर महिला समेत कई लोगों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भवनपुर गांव निवासी गुड्डी देवी ने कोतवाली रसूलाबाद में शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि बीते 4 मार्च को गांव के ही संजय सिंह, गोविंद सिंह समेत चार लोग लाठी-डंडे लेकर उनके दरवाजे पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि जब उन्होंने आरोपियों को गाली देने से मना किया तो सभी आरोपी एक राय होकर उनके घर में घुस गए और लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी।

शोर-शराबा सुनकर जब उनके पति नागेंद्र सिंह, देवर धीरेन्द्र और देवरानी रूबी उन्हें बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पीड़िता का कहना है कि इस दौरान आरोपियों ने उन्हें और उनके परिजनों को जान से मारने की धमकी भी दी। सपास के ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने पर आरोपी वहां से फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

नगर निगम की महिला कर्मचारी पर हमला

नगर निगम के कर्मचारी नेताओं ने स्थानीय पुलिस में शिकायत कर की कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। नगर निगम के वार्ड नंबर 20, जोन-05 स्थित अरमापुर डिफेंस एरिया में सफाई कार्य के दौरान एक महिला कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कार में क्षेत्र के कुछ दबंग लोगों ने सफाई कर रही महिला कर्मचारी पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

नगर निगम नेता हरिओम वाल्मीकि ने बताया कि महिला कर्मचारी आरती नियमित रूप से क्षेत्र में सफाई का कार्य कर रही थी। इसी दौरान कुछ स्थानीय दबंगों ने उससे कहासुनी करते हुए अचानक मारपीट शुरू कर दी। हमले में आरती लहूलुहान हो गई और उसे तत्काल उपचार की आवश्यकता पड़ी।

घटना की जानकारी मिलते ही नगर निगम से जुड़े कर्मचारी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। कर्मचारियों में घटना को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिला और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई गई।

इस मौके पर धीरज गुप्ता, हरिओम वाल्मीकि, रमेश, शैलेंद्र कैथल, सचिन सिंह, सुनील, आरती और निशा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की है कि महिला कर्मचारी के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों की जल्द पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों।

नारी अब बन चुकी है शक्ति

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुलिस लाइन में आयोजित हुआ प्रेरणादायक कार्यक्रम जूडो कार्यशाला और 'चाय पे चर्चा' में महिलाओं को किया गया सशक्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जनपद की पुलिस लाइन में 'नारी शक्ति' के साहस, समर्पण और नेतृत्व को समर्पित एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने की। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सिकन्दरा प्रिया सिंह सहित पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा पुलिस परिवार की महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान महिला पुलिसकर्मियों के जज्बे और योगदान को सम्मानित किया गया। साथ ही पुलिस परिवार की महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बालिकाओं के लिए आयोजित विशेष जूडो आत्मरक्षा कार्यशाला से हुई। इस कार्यशाला में छोटी बच्चियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए, जिससे उनमें आत्मविश्वास और निर्भयता का भाव विकसित हो सके। अधिकारियों ने कहा कि आत्मरक्षा का प्रशिक्षण बालिकाओं को जीवन में हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार करता है।

इसके बाद पुलिस लाइन में रहने वाली महिलाओं के बीच मैत्रीपूर्ण खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।व्यस्त दिनचर्या और कठिन ड्यूटी के बीच इन प्रतियोगिताओं ने महिलाओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह की नई चमक ला दी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सम्मानस्वरूप स्टील की बोतलें भेंट की गईं, जिससे 'ग्रीन पुलिस लाइन' और प्लास्टिक मुक्त परिसर के संकल्प को भी मजबूती मिली।कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा महिला पुलिसकर्मियों के साथ आयोजित 'चाय पे चर्चा' रहा। इस दौरान एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय और अन्य महिला अधिकारियों ने पुलिस सेवा में अपने अनुभव, संघर्ष और सफलता की प्रेरक कहानियां साझा कीं।एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि आज की नारी केवल सौंदर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि शक्ति, साहस और नेतृत्व का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं और समाज के विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने यह भी कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज के समग्र विकास की अनिवार्य आवश्यकता है। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि महिलाओं को अवसर और समर्थन मिले तो वे हर चुनौती को अवसर में बदल सकती

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नन्हीं बालिकाओं ने एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय को पहनाई माला, कहा

बड़ी होकर बनना है आप जैसी पुलिस अधिकारी

» एसपी ने दोनों बच्चियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान एक भावनात्मक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जिसने वहां मौजूद लोगों का दिल जीत लिया।

जब जनपद की पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय फरियादियों की शिकायतें सुन रही थीं, तभी फरियादियों के साथ आई दो नन्हीं बालिकाओं ने उनसे मिलकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

बालिकाएं सोनाली और सोनल ने एसपी से कहा कि वे बड़ी होकर उनकी तरह कर्तव्यनिष्ठ और जनता की सेवा करने वाली पुलिस अधिकारी बनना चाहती हैं। दोनों बालिकाएं अपने साथ एसपी को पहनाने के लिए फूलों की माला भी लेकर आई थीं।इस भावुक पल में एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय तुरंत अपनी कुर्सी से उठकर खड़ी हो गईं और दोनों बच्चियों को स्नेहपूर्वक गले लगाया। उन्होंने बच्चियों को अपने हाथों से माला पहनाई और उन्हें चॉकलेट देकर प्रोत्साहित किया।एसपी ने बालिकाओं से कहा कि उनका यह सपना बेहद सराहनीय है और कड़ी मेहनत, लगन तथा शिक्षा के बल पर वे निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को हासिल कर सकती हैं। उन्होंने दोनों बच्चियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।गौरतलब है कि एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय अपने प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय रहती हैं।

बेटियों के सशक्तिकरण और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए वे समय-समय पर प्रेरणादायक पहल करती रहती हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में घटित यह छोटा सा मगर प्रेरक प्रसंग लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। उपस्थित लोगों का कहना था कि ऐसे पल पुलिस और समाज के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं तथा बच्चों में अनुशासन और देशसेवा की भावना को भी प्रेरित करते हैं।

कानपुर देहात एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

अपर एसपी संग फरियादियों की शिकायतों पर दिए निर्देश

कानपुर देहात ।सोमवार को पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय और अपर पुलिस अधीक्षक ने अपने-अपने कार्यालयों में जनसुनवाई की। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों और पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया।जनसुनवाई के दौरान कई फरियादियों ने भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट और धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतें दर्ज कराईं। पुलिस अधीक्षक ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थानों और अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर समयबद्ध, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि आम जनता को त्वरित न्याय मिल सके। इसी क्रम में, जनपद के सभी क्षेत्राधिकारियों ने भी अपने-अपने कार्यालयों में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस: कंचन कामिनी को मिला 'वीरांगना स्मृति सम्मान-2026'

» समाज और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रेरणादायक कार्यों तथा जागरूकता फैलाने के प्रयासों के लिए मिला सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

कानपुर देहात। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज में शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय वीरवंदक परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पी.एम. श्री प्राथमिक विद्यालय संगसियापुर, अकबरपुर की सहायक अध्यापिका कंचन कामिनी को 'वीरांगना स्मृति सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाज और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रेरणादायक कार्यों तथा जागरूकता फैलाने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक अरुण कुमार ने बताया कि कंचन कामिनी लंबे समय से विद्यार्थियों और समाज में देशभक्ति, नैतिक मूल्यों तथा महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को प्रचारित-प्रसारित करने का कार्य कर रही हैं। वे नियमित रूप से वीरवंदकों के साथ वीरों की वंदना कर युवाओं और बच्चों को देश के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का प्रयास करती रही हैं।

इसी समर्पण और प्रेरणादायक कार्य को देखते हुए संस्था ने उन्हें वीरांगना स्मृति सम्मान-2026 से सम्मानित करने का निर्णय लिया।

संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को ऐसे शिक्षकों और समाजसेवियों की आवश्यकता है, जो नई पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम, त्याग और बलिदान की भावना से परिचित कराएं। कंचन कामिनी का कार्य न केवल विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कंचन कामिनी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशा व्यक्त की कि वे आगे भी इसी प्रकार समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करती रहेंगी।

संस्था के सदस्यों ने बताया कि पिछले सात वर्षों से भारतीय वीरवंदक परिवार देश के महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे प्रेरणादायक कार्य करने वाले व्यक्तियों को समय-समय पर सम्मानित भी करता रहता है। कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गईं तथा महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।

रमजान सिर्फ भूखा रहने का नही रूह को पाक करने का भी महीना

ईद को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक, सूतफेनी और नए कपड़ों की हो रही खरीदारी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। पवित्र रमजान माह का दूसरा अशरा चल रहा है। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मस्जिदों में पहुंचकर नमाज अदा कर रहे हैं और घरों में कुरआन शरीफ की तिलावत कर अल्लाह की इबादत में लगे हुए हैं। रोजेदार पूरे दिन रोजा रखने के बाद शाम को इफ्तार कर रहे हैं। रमजान के चलते बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है और लोग ईद की तैयारियों में जुट गए हैं।

रसूलाबाद क्षेत्र के बड़ा गांव कहिंजरी स्थित जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज मोहम्मद आरिफ ने बताया कि रमजान सिर्फ भूखा रहने का महीना नहीं, बल्कि अपनी रूह को पाक करने और अल्लाह की इबादत में खुद को समर्पित करने का महीना है। उन्होंने कहा कि अल्लाह के रसूल का फरमान है कि जो व्यक्ति अपनी हलाल कमाई से किसी रोजेदार को इफ्तार कराता है, उस पर पूरे रमजान फरिश्ते दरूद भेजते हैं।रमजान के मुबारक महीने में की गई एक नेकी का सवाब 70 गुना तक बढ़ा दिया जाता है। इसलिए इस महीने में गरीबों, यतीमों और जरूरतमंदों की मदद करना, दान देना और लोगों के साथ अच्छे व्यवहार रखना बेहद जरूरी है। रमजान के महीने में कुल 30 रोजे होते हैं। इसमें पहले 10 रोजों को पहला अशरा, 11 से 20 तक दूसरे अशरे और 21 से आखिरी रोजे तक तीसरे अशरे के रूप में जाना जाता है। तीनों अशरों की अपनी-अपनी अलग फजीलत बताई गई है। वहीं, रमजान के चलते बाजारों में भी रौनक दिखाई देने लगी है। लोग ईद के लिए नए कपड़े, सेवइयां और सूतफेनी की खरीदारी कर रहे हैं।

बारात में नाचते हुए गश खाकर गिरा युवक हार्टअटैक से मौत

परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से किया इनकार, खुशियां मातम में बदलीं

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात।रसूलाबाद थाना क्षेत्र के मनकी गांव में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया जब बारात में नाचते समय एक युवक अचानक गश खाकर गिर पड़ा। परिजन उसे आनन-फानन में महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भवनपुर ग्राम पंचायत के मजरा मनकी गांव निवासी सुनील कुशवाहा की पुत्री सोनम का विवाह इटावा निवासी मनी के साथ तय हुआ था। शनिवार को बारात मनकी गांव पहुंची थी। बारात में शामिल दूल्हे का दोस्त ऋषभ बरतोला (30) निवासी शास्त्री नगर अशोक विहार, नई दिल्ली, डीजे पर नाच रहा था। इसी दौरान अचानक वह गश खाकर जमीन पर गिर पड़ा। यह देख बारात में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तुरंत उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद ले गए, जहां डॉ. शैलेंद्र कुमार ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।डॉक्टरों के अनुसार युवक की मौत संभवतः दिल का दौरा पड़ने से हुई है। युवक की अचानक मौत से शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। वहीं परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और शव को अपने साथ दिल्ली ले गए।

जमवाय माता मंदिर स्थापना के एक वर्ष पूरे, तीन दिन तक होंगे धार्मिक कार्यक्रम

अखंड पाठ से शुरुआत, निकलेगी पैदल यात्रा, 11 मार्च को विशाल भंडारा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के ग्राम मलासा स्थित जमवाय माता मंदिर की स्थापना के एक वर्ष पूरे होने पर तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर परिसर में अखंड पाठ के साथ हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता के दर्शन किए और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। अखंड पाठ के दौरान भजन-कीर्तन और माता के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। सुबह से ही महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की भीड़ मंदिर में उमड़ती रही। मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया, जिससे इसकी भव्यता और बढ़ गई।

मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रमों की श्रृंखला में 9 मार्च को जमवाय माता की भव्य पैदल यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए निकलेगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे और जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया जाएगा। इसके बाद 11 मार्च को मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन की तैयारियों में मंदिर समिति और ग्रामीण जुटे हुए हैं। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आस्था के साथ आपसी भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है। इस अवसर पर यशवंत सिंह, अरविंद, झब्बर, चंद्रमोहन, जगरनाथ, शंकर सिंह, रवि सिंह, सत्तन मास्टर, प्रमोद, विकास सिंह समेत मंदिर समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की मां के खिलाफ अपशब्द कहने वाले मौलाना का फूंका पुतला

हिंदू संगठन ने प्रदर्शन कर की नारेबाजी, कलेक्ट्रेट पहुंच कर एडीएम को दिया ज्ञापन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद । बिहार के मौलाना अबदुल्ला सलीम के द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ अश्लील गालिया एवं अपशब्दों का प्रयोग किए जाने के विरोध में हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के मंडल प्रभारी अमित मिश्रा के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने मौलाना का मुख्यमंत्री के खिलाफ की मां के खिलाफ अपशब्द कहे जाने के विरोध में कचहरी तिराहा के निकट पुतला फूंक कर रोष व्यक्त किया द्य साथ ही कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है , जिसमे हिंदू सुरक्षा सेवा संघ ने कहा कि

वर्तमान समय में मौलाना अब्दुल्लाह सलीम विहार द्वारा सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, मौलाना द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की मां को गालिया व अश्लील अपशब्दों का वीडियो सोशल मीडिया साइड पर डालने से हिंदू संगठन ने रोष व्यक्त करते हुए हुए करवाई किए जाने की मांग शासन और प्रशासन से की है, उन्होंने कहा कि मौलाना द्वारा 200 ग्राम गोशत को लेकर उनकी मां एवं गाय माता के लिए अनर्गल की गई टिप्पणी मौलाना का मानसिकता को दर्शाता है की बहुत देश का माहौल खराब करना चाहता है ।

उधरमहन्त राजू दास महाराज ने कहा कि बिहार के मौलाना अबदुल्ला सलीम का जो अपशब्दों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है द्य इस वीडियो को सोशल मीडिया साइड पर डालने और बनाने वाले के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है जिससे फिर कोई भी व्यक्ति इस तरह का वीडियो ना डाल सके यदि डाले तो उसकी रूह कांप जाए द्य उन्होंने शासन और प्रशासन से रमजान के माह में इस तरह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने और करने वालों पर कार्यवाही की जानी चाहिए द्य इस मौके पर अरुणेश मिश्रा, महामन्त्री सुरजीत कटियार मौजूद रहे ।

सांसद के होली मिलन समारोह का टेंट हवा में उड़ा

लोग रहे आश्चर्यचकित, चल रहा था बांके बिहारी का भजन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। सांसद मुकेश राजपूत का होली मिलन समारोह कार्यक्रम चल रहा है और लोग श्री बांके बिहारी के दर्शन झांकी भाव विभोर होकर देख रहे थे, तभी अचानक तेज हवा का ऐसा झोंका आया कि होली मिलन समारोह के लिए लगाया टेंट उखड़कर सभी लोगों के ऊपर से निकल गया लेकिन किसी के भी खरोंच तक नहीं आई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने मोबाइल से वीडियो बनाया जो सोशल मीडिया पर चर्चित हो रहा है,, उधर किसान नेता अरविन्द राजपूत ने बताया कि होली मिलन समारोह में के दौरान बांके बिहारी का भजन चल रहा था अचानक हवा टेंट को हवा में उड़ा कर ले गई कुर्सियों पर बैठे लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे लेकिन किसी का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 50 महिलाएं सम्मानित

» मुख्य अतिथि ने शिक्षित होकर स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव की अध्यक्षता एवं विधायक सुरभि गंगवार, जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ,मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार के द्वारा सर्व प्रथम दीप प्रजवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया द्य जनपद की सम्मानित 50 महिलाएं जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित किया गया द्य कार्यक्रम में 200 महिलाओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव द्वारा महिलाओं के हक़ बारे में विस्तार से बताते हुए महिलाओं को शिक्षा और आर्थिक रूप से मजबूत होकर स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया गया।

विधायक सुरभि गंगवार के द्वारा इस विशेष दिन पर समाज में महिलाओं की शक्ति, सम्मान और समान अधिकारों के महत्व पर चर्चा की। कहाकि महिलाएं परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। हमें मिलकर ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जहाँ हर महिला सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करे। सी ओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय, पुलिस विभाग, महिला कल्याण विभाग के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर के सम्मानित किया गया। महिलाओं को भी सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी,श्याम कुमार तिवारी, जिला पर्यटन अधिकारी,सहायक श्रमायुक्त, जिला प्रोबेशन अधिकारी व कार्मिक महिला कल्याण विभाग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिन सिंह ने किया।

हिंदी नववर्ष पर अयोध्या बनेगी ऐतिहासिक पल की साक्षी

19 मार्च को राम मंदिर पहुंचेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, चार घंटे रहेंगी राम मंदिर परिसर में

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम। रामनगरी अयोध्या एक बार फिर ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। हिंदी नववर्ष के अवसर पर 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राम जन्मभूमि परिसर दौरा प्रस्तावित है। राष्ट्रपति कार्यालय से कार्यक्रम को लेकर सहमति मिल चुकी है। यह जानकारी राम मंदिर निर्माण से जुड़ी भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने दी।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति 19 मार्च को सुबह करीब 11 बजे राम मंदिर परिसर पहुंचेंगी और लगभग चार घंटे तक वहीं रहेंगी।

इस दौरान मंदिर निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार राम मंदिर का निर्माण कार्य लगभग पांच वर्षों में पूरा हुआ है। निर्माण से जुड़ी प्रमुख संस्थाओं एलएंडटी और टीसीएस को 15 मई तक औपचारिक रूप से अवमुक्त कर दिया जाएगा। मंदिर परिसर में अब अंतिम चरण के कार्य तेजी से चल रहे हैं।

राम मंदिर परिसर में एक विशेष गैलरी का निर्माण किया जा रहा है। इस गैलरी में मंदिर निर्माण की पूरी यात्रा, तकनीक और उससे जुड़ी ऐतिहासिक झलकियों को आधुनिक माध्यमों से प्रदर्शित किया जाएगा।

इस तकनीकी व्यवस्था पर भी समिति की बैठक में विस्तार से चर्चा की जा रही है।

मंदिर परिसर की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए लगभग चार किलोमीटर लंबी अत्याधुनिक बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जा रहा है। यह कार्य इंजीनियर्स इंडिया की ओर से किया जा रहा है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन अस्थायी रूप से बंद रहेंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मंदिर परिसर को पूरी तरह खोल दिया जाएगा। इसके बाद प्रतिदिन लगभग पांच हजार श्रद्धालु पास के आधार पर परकोटा सहित पूरे परिसर के मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे।

नृपेंद्र मिश्रा के मुताबिक मंदिर का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

अब केवल हुतात्मा स्मारक और अस्थायी मंदिर का निर्माण शेष है। रामलला के सूर्य तिलक की परंपरा को बनाए रखने के लिए सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट और ऑप्टिका के साथ दस वर्षों का अनुबंध किया गया है, ताकि हर वर्ष यह परंपरा तकनीकी रूप से सटीक ढंग से निभाई जा सके।

पत्रकार परिवार के होली मिलन में अबीर-गुलाल में घुला अपनापन

» एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी रहे मुख्य अतिथि, पांच समाजसेवी सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। शहर के स्टार सिटी होटल में रविवार को पत्रकार परिवार की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह हर्षोल्लास और सौहार्द के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पत्रकारों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

मुख्य अतिथि एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि होली प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश देती है। विशिष्ट अतिथियों में सीओ अरविंद सोनकर, सीओ सिटी श्रेयस त्रिपाठी, एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह, जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन, वरिष्ठ पत्रकार रमा शरण अवस्थी और प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव मौजूद रहे। आयोजक रूपेश श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में अंतरराष्ट्रीय शूटर डॉ. डीआर भुवन, रितेश मिश्रा, राजीव मदन, मनान और चौहान को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। संचालन विवेकानंद पांडेय ने किया, जबकि अंत में फूलों की होली के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

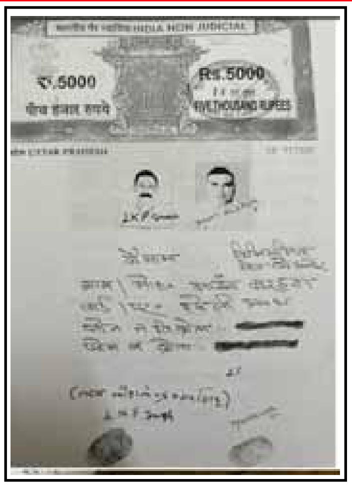

रामनगरी में जमीन का 'ब्लैकमेलिंग खेल', कीमती गाटा पर सियासी साया !

» फर्जी प्रार्थना पत्र, कथित वीडियो और दबाव की कहानी

» पीड़ित बोला, सत्ता की छाया में चल रहा जमीन का खेल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम। अयोध्या की पवित्र जमीन पर इन दिनों एक नया खेल चल रहा है आस्था के शहर में जमीन और दबाव की राजनीति का खेल। सदर तहसील के माझा बरहटा इलाके में गाटा संख्या 623 की कीमती जमीन को लेकर ऐसा विवाद सामने आया है जिसने स्थानीय सियासत और प्रशासन दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है।पीड़ित कृष्ण शरण दुबे का आरोप है कि जमीन को लेकर फर्जी प्रार्थना पत्र, कथित वीडियो और दबाव की रणनीति के जरिए कब्जा और वसूली की कोशिश की जा रही है। उनका दावा है कि यह जमीन वर्ष 1987 में विधिवत बैनामा के माध्यम से बिक चुकी थी और बाद में सुदर्शनाचार्य के नाम दर्ज हुई। उनकी मृत्यु के बाद सरकारी अभिलेखों में उनके वारिसों का नाम दर्ज है।

आरोप है कि 2017 में इसी जमीन का दोबारा फर्जी बैनामा कर दिया गया और पूरे मामले में धोखाधड़ी व जालसाजी की धाराओं में मुकदमा भी दर्ज हुआ। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस विवाद में एक स्थानीय पार्षद का नाम क्यों उछल रहा है? पीड़ित का आरोप है कि सत्ता के संरक्षण में विवाद को हवा देकर जमीन में हिस्सा और अवैध वसूली का दबाव बनाया जा रहा है। अब रामनगरी में सवाल गूंज रहा है क्या अयोध्या की पावन धरती पर भी जमीन के लिए ब्लैकमेलिंग का नया अध्याय लिखा जा रहा है?

न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर रचा इतिहास

भारत फिर बना टी-20 विश्व कप का शहंशाह

बुमराह-अक्षर की घातक गेंदबाजी से न्यूज़ीलैंड 159 पर ढेर, लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी-20 विश्व कप भारत ने जीता

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट ने एक बार फिर विश्व मंच पर अपनी बादशाहत साबित कर दी। टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस शानदार जीत के साथ भारत लगातार दो टी-20 विश्व कप जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बन गया है। साथ ही भारत ने तीसरी बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

इस ऐतिहासिक जीत की एक और खास बात यह रही कि भारत मेजबान के रूप में टी-20 विश्व कप जीतने वाली भी पहली टीम बन गया। देशभर में इस जीत का जश्न देर रात तक चलता रहा। फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। भारतीय बल्लेबाजों ने इस मौके को यादगार बना दिया और निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

भारतीय पारी की शुरुआत तेजतर्रार रही। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आते ही आक्रामक रुख अपनाया और महज 21 गेंदों में 52 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सैमसन ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए 46 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली।

मध्यक्रम में ईशान किशन ने भी अपनी आक्रामक शैली का परिचय देते हुए 25 गेंदों में 54 रन बनाकर रनगति को तेजी से आगे बढ़ाया। अंतिम ओवरों में शिवम दुबे ने विस्फोटक अंदाज दिखाते हुए सिर्फ 8 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। न्यूज़ीलैंड की ओर से जेमी निशम सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 46 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

256 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूज़ीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाकर रखा। हालांकि टिम सिफर्ट ने 26 गेंदों में 52 रन की तेज पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की। कप्तान मिशेल सेंटनर ने भी 35 गेंदों में 43 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूज़ीलैंड को 159 रन पर समेट दिया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर चार विकेट झटके और न्यूज़ीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। स्पिनर अक्षर पटेल ने भी शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने तीन ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन ने न्यूज़ीलैंड की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। इस तरह भारत ने 96 रन की बड़ी जीत दर्ज कर टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया।

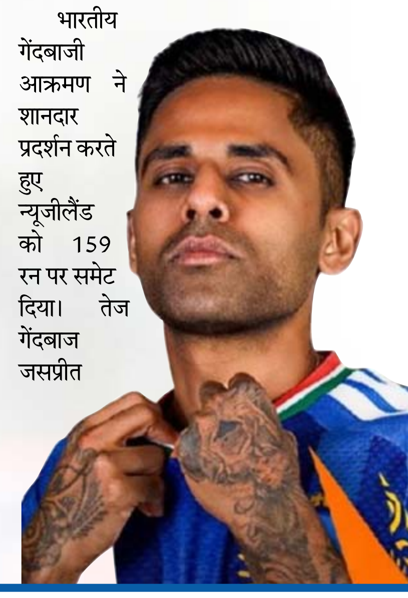

टाइमलाइन (2007-2026)

2007 - पहला खिताब
दक्षिण अफ्रीका में खेले गए पहले टी-20 विश्व कप में भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 5 रन से हराकर इतिहास रचा। युवा कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम ने पहली बार ट्रॉफी जीती।

2014-2022 - संघर्ष का दौर
इन वर्षों में भारत कई बार सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचा, लेकिन खिताब से चूक गया। टीम लगातार मजबूत रही, लेकिन निर्णायक मैचों में सफलता नहीं मिली।

2024 - दूसरा खिताब
लंबे इंतजार के बाद भारत ने एक बार फिर टी-20 विश्व कप जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की और विश्व क्रिकेट में अपनी वापसी का दमदार संकेत दिया।

2026 - ऐतिहासिक तीसरा खिताब
भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार ट्रॉफी जीती। इसके साथ ही भारत तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बना, लगातार दो विश्व कप जीतने का रिकॉर्ड बनाया

भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

- तीसरी बार टी-20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम
- लगातार दो टी-20 विश्व कप जीतने का रिकॉर्ड
- मेजबान के रूप में टी-20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम
- फाइनल में 255 रन - टूर्नामेंट के सबसे बड़े स्कोर में शामिल
- गेंदबाजी में बुमराह का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भारत की जीत के पांच बड़े कारण

- शीर्ष क्रम की विस्फोटक बल्लेबाजी
- मध्यक्रम का तेज रन प्रवाह
- जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी
- अक्षर पटेल की प्रभावी स्पिन
- बेहतरीन फील्डिंग और रणनीति
- मैन ऑफ द टूर्नामेंट- जसप्रीत बुमराह

भारत की जीत के 5 टर्निंग पॉइंट

आक्रामक शुरुआत ने बनाया मजबूत आधार
भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 52 रन की विस्फोटक पारी खेलकर पावरप्ले में ही मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

संजू सैमसन की कप्तानी जैसी पारी
मध्यक्रम में संजू सैमसन ने 46 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली। उनकी इस जिम्मेदार और आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत को 250 के पार पहुंचाने की मजबूत नींव रखी।

ईशान किशन की तेज रनगति
जब रनगति थोड़ी धीमी होती दिख रही थी, तब ईशान किशन ने 25 गेंदों में 54 रन की तेज पारी खेलकर मैच पूरी तरह भारत के नियंत्रण में ला दिया।

आखिरी ओवरों में शिवम दुबे का धमाका
अंतिम ओवरों में शिवम दुबे ने सिर्फ 8 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर भारत का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया, जिसने न्यूजीलैंड के सामने लगभग असंभव लक्ष्य खड़ा कर दिया।

बुमराह की घातक गेंदबाजी
लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की उम्मीदों को जसप्रीत बुमराह ने शुरुआती झटकों से खत्म कर दिया। उन्होंने 4 ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट लेकर मैच का फैसला लगभग तय कर दिया।

फाइनल के 10 सबसे बड़े मोमेंट

- भारत ने टॉस हारने के बावजूद आक्रामक बल्लेबाजी का फैसला किया।
- अभिषेक शर्मा की 21 गेंदों में तेज अर्धशतकीय पारी।
- संजू सैमसन की 89 रन की मैच बदलने वाली पारी।
- ईशान किशन की तेज 54 रन की पारी से रनगति 12 से ऊपर पहुंची।
- आखिरी ओवरों में शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी।
- भारत का 255 रन का विशाल स्कोर।
- न्यूजीलैंड की शुरुआत में भारतीय गेंदबाजों का दबाव।
- बुमराह के लगातार विकेटों से मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर।
- अक्षर पटेल की स्पिन से मध्यक्रम का पतन।
- न्यूजीलैंड 159 पर ऑलआउट और भारत की ऐतिहासिक जीत।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उ.प्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उ.प्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com